



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड ३—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 313।
No. 313।

नई दिल्ली, शुक्रवार, जून ८, १९९०/ज्येष्ठ १८, १९१२
NEW DELHI, FRIDAY, JUNE 8, 1990/JYAISTHA 18, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिसमें कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजन्य विभाग)

(कर्मदाय प्रशब्द का बोध)

प्रतिसूचना

नई दिल्ली, ५ जून, १९९०

(आय कर)

का.मा. 166 (प्र) :- केंद्रीय प्रत्यक्ष कर वोई आय-कर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की धारा २९५ द्वारा प्रदत्त अधिनियमों का
प्रयोग करते हुए, आय-कर नियम, १९६२ का और संशोधन करने के
लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संवित नाम आय-कर (बागवा संशोधन) नियम, १९९० है।
- (2) वे राजपत्र में प्रकाशित की जारी रख को प्रवृत्त होंगी।
2. आय-कर नियम, १९६२, में

(क) नियम ३० में

(i) उपनियम (1) के खण्ड (ख) [३३] उपखण्ड (i) में अर्थ, अंक और अधर “धारा १९४१, धारा १९४२ और धारा १९४३” के स्थान पर निम्नलिखित शब्द, अंक और अधर रखे जायें, अर्थात् :—

“धारा १९३, धारा १९४१, धारा १९४३, धारा १९४४ और धारा १९५”;

(ii) उपनियम (1) के खण्ड (ख) के उपखण्ड (i) के मद (1) में अर्थ, अंक और अधर “जहाँ आय का धारा १९४१ में आज के रूप में निर्दिष्ट आय या धारा १९४२ में निर्दिष्ट राशि या धारा १९४३ में आय वीमा के कमीशन के रूप में निर्दिष्ट” के स्थान पर निम्नलिखित शब्द, अंक और अधर रखें जायें, अर्थात् :—

“जहाँ धारा १९३ में प्रतिमूलियों के आज के रूप में निर्दिष्ट आय का धारा १९४१ में आज के रूप में निर्दिष्ट आय या धारा १९४२ में निर्दिष्ट राशि या धारा १९४३ में वीमा कमीशन के रूप में निर्दिष्ट आय या अन्य कोई राशि”;

- (iii) उपनियम (1) का खंड (ब्र.) का उपांक (ii) के स्थान पर निर्दलित रखा जाएगा, अर्थातः—
“(ii) ऐसे विधियों का ब्रावत जिनकी कटौती अन्य उपवेष्टों के अनुसार की गई है, ऐसी कटौती की जारीश में एक सलाह के भीतर”;
- (iv) उपनियम (i) के खंड (ब्र.) में परस्तुक का खंड (क) में शब्द “प्रतिभूतियों पर व्याज” शीर्ष के अधीन प्रभाव्य आय के स्थान पर निर्मलित रखा रखेंगे, अर्थातः—
“प्रतिभूतियों पर व्याज के स्पष्ट में शाय”;
- (v) उपनियम (4) में “ऐसे आधकर जालान का आपाती प्रतियो उनके लिए निवेदन करने पर निर्धारण अधिकारी द्वारा दी जाएगी” शब्दों का स्थान किसी जाएगा।
- (vi) उपनियम (2) में पहले परस्तुक का नोप किसी जाएगा;
- (vii) उपनियम (2) में इसमें परस्तुक में “परस्तुक यह और कि” शब्दों के स्थान पर “परस्तु” शब्द रखा जाएगा;
- (viii) उपनियम (4) में “आधकर जालान की आपाती प्रतियो उनके विण निवेदन करने पर निर्धारण अधिकारी द्वारा दी जाएगी” शब्दों का नोप किसी जाएगा।
- (x) नियम 37 में सारणी के स्तम्भ 3 में “मास” शब्द के नामे—
(i) क्रम संख्याक 2 के सामने “मई” प्रविष्टि के स्थान पर “जून” प्रविष्टि रखी जाएगी;
(ii) क्रम संख्याक 4 के सामने “बपैत्र” प्रविष्टि के स्थान पर “जून” प्रविष्टि रखी जाएगी;
(iii) क्रम संख्याक 7 के सामने “मई” प्रविष्टि के स्थान पर “जून” प्रविष्टि रखी जाएगी।

[सं. 8682/फा.म. 142/34/89-टी.पी.एल]
मुख्यालय चापड़ा, निवेदक (टीपीएल)

MINISTRY OF FINANCE
(Department of Revenue)
Central Board of Direct Taxes
NOTIFICATION

New Delhi, the 8th June, 1990

INCOME-TAX

S.O. 466(E):—In exercise of the powers conferred by section 295 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following rules further to amend the Income-tax Rules, 1962, namely:—

1. (1) These rules may be called the Income-tax (Twelfth Amendment) Rules, 1990.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Income-tax Rules, 1962. —

(a) in rule 30.—

(i) in sub-clause (i) of clause (b) of sub-rule (1), for the words, figures and letters “section 194A, section 194C and section 194D”, the following words, figures and letters shall be substituted, namely:

“section 193, section 194A, section 194C, section 194D and section 195”;

(ii) in item (1) of sub-clause (i) of clause (b) of sub-rule (1), for the words figures and letters “where the income by way of interest referred to in section 194A or the sum referred to in section 194C or the income by way of insurance commission referred to in section 194D”, the following words, figures and letters shall be substituted, namely:

“where the income by way of interest on securities referred to in section 193 or the income [by way of interest referred to in section 194A or the sum referred to in section 194C or the income by way of insurance commission referred to in section 194D or the interest or any other sum referred to in section 195”;

(iii) in sub-clause (ii) of clause (b) of sub-rule (1), the words “within one week from the date of receipt of the challan by the person making the deduction, who shall make an application to the Assessing Officer” shall be omitted;

(iv) in clause (a) of proviso to clause (b) of sub-rule (1), for the words “income chargeable under the head “Interest on securities”, the following words shall be substituted, namely:

“income by way of interest on securities”;

(v) in sub-rule (2), the words, “blank copies of which shall be supplied by the Assessing Officer on request for the purpose” shall be omitted;

(vi) in sub-rule (2), the first proviso shall be omitted;

(vii) in sub-rule (2), in the second proviso, for the words “provided further that”, the words “Provided that” shall be substituted;

(viii) in sub-rule (3), the words “blank copies of which will be supplied by the Assessing Officer on request for the purpose,” shall be omitted;

(b) in rule 37, in column (3) of the Table under the heading “Month”,—

(i) against serial number 2, for the entry “May”, the entry “June” shall be substituted;

(ii) against serial number 4, for the entry “April”, the entry “June” shall be substituted;

(iii) against serial number 7, for the entry “May”, the entry “June” shall be substituted.

[No. 8682/F.No.142/34/89-TPL]
SUNIL CHOPRA, Director (TPL)